

कार्यकारी सारांश

विभिन्न क्षेत्रों के बीच जल उपलब्धता में असंतुलन को कम करने के लिए हमारे देश में अधिशेष जल वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में लम्बी दूरी के अंतरबेसिन अंतरण पर विचार किया गया है। केन्द्रीय सिंचाई मंत्रालय (अब जल संसाधन मंत्रालय) और केन्द्रीय जल आयोग द्वारा वर्ष 1980 में देश की प्रायद्वीपीय नदियों और हिमालयी नदियों दोनों के संबंध में अनेक अंतरबेसिन जल अंतरण लिंकों की पहचान करते हुए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई थी। प्रायद्वीपीय नदी विकास और हिमालयी नदी विकास घटकों को मिलाकर स्थापित करने से जल विद्युत क्षमता और अन्य लाभों के अलावा 35 मिलियन हेक्टेयर की अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित होने की आशा की गई थी।

जल संसाधन विकास के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक, जिसे वर्ष 1980 में तत्कालीन केन्द्रीय सिंचाई मंत्रालय (अब जल संसाधन मंत्रालय) और केन्द्रीय जल आयोग द्वारा तैयार किया गया था, के अंतर्गत महानदी बेसिन और गोदावरी बेसिन के अधिशेष प्रवाह को जल की कमी वाले कृष्णा, पेन्नार, कावेरी और दक्षिण में वैगई और गुंडर बेसिन में पथांतरण की परिकल्पना की गई थी। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (राजविअ) ने विभिन्न प्रायद्वीपीय नदी बेसिनों में अंतिम विकास परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए इन बेसिनों में जल संतुलन स्थिति का आकलन किया है। इन अध्ययनों के आधार पर राजविअ ने महानदी से महानदी-गोदावरी लिंक नहर के जरिए प्रतिवर्ष 12165 मिमी जल के पथांतरण के लिए प्रस्ताव तैयार किए हैं। गोदावरी से 26122 मिमी जल (महानदी से लाए गए जल सहित) को तीन लिंकों नामतः इंचमपल्ली-नागार्जुन सागर, इंचमपल्ली, पुलीचिंताला और पोलावरम-विजयवाड़ा के माध्यम से कृष्णा नदी में पथांतरित किए जाने की परिकल्पना की गई है। गोदावरी से लाए गए इन जल में से 14080 मिमी³ जल को कृष्णा से पेन्नार तक तीन लिंक नहरों नामतः अलमट्टी-पेन्नार, श्रीसैलम-पेन्नार और नागार्जुन सागर-सोमसिला के माध्यम से पथांतरित किए जाने की परिकल्पना की गई है। पेन्नार से 8565 मिमी जल की मात्रा को सोमासिला-ग्रैंड एनीकट लिंक के माध्यम से कावेरी नदी की ओर और आगे दक्षिण कावेरी-वैगई-गुंडर लिंक नहर की ओर पथांतरित करने का प्रस्ताव है ताकि तमिलनाडु राज्य में कावेरी नदी के नीचे स्थित क्षेत्र की मांगों को पूरा किया जा सके।

यह रिपोर्ट पेन्नार (सोमासिला)-पलार-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना के संभाव्यता अध्ययन से संबंधित है, जो एनपीपी के प्रायद्वीपीय घटक के अंतर्गत अधिशेष नदी बेसिनों से जल

की कमी वाले बेसिनों में जल के अंतरबेसिन अंतरण के लिए तैयार की गई महानदी-गोदावरी-कृष्णा-पेन्नार-कावेरी-वैगई-गुंडार प्रायद्वीपीय नदी लिंक प्रणाली का अभिन्न अंग है।

इस संभाव्यता रिपोर्ट को तैयार करने का उद्देश्य प्रस्तावों को ठोस बनाना और पथांतरण की मात्रा, लागतों की हिस्सेदारी आदि के संबंध में व्यापक करार करने के लिए संबंधित राज्यों के बीच विचार-विमर्श करना है।

पेन्नार (सोमासिला)-पलार-कावेरी (गैंड एनीकट) लिंक परियोजना में आंध्र प्रदेश राज्य के नेल्लोर जिले में पेन्नार नदी पर विद्यमान सोमासिला बांध से 8565 मिमी जल के पथांतरण की परिकल्पना की गई है।

पेन्नार (सोमासिला)-पलार-कावेरी (गैंड एनीकट) लिंक नहर की कुल लंबाई 529.190 किमी है। यह नहर मौजूदा कंडालेरू बाढ़ प्रवाह नहर के समानांतर आरडी 10 किमी तक, कंडालेरू-पूंडी नहर आरडी 80 किमी तक चलेगी और फिर तमिलनाडु राज्य के तंजावुर जिले में कावेरी नदी के पार गैंड एनीकट में शामिल होने से पहले 439.190 किमी की दूरी तय करेगी।

यह लिंक नहर आंध्र प्रदेश के नेल्लोर, चित्तूर जिलों और तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, वेल्लोर, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली जिलों से होकर गुजरती है, जो पेन्नार नदी घाटियों से होकर गुजरती है; पेन्नार और पलार के बीच धाराएँ, पलार, पलार और कावेरी और कावेरी के बीच की धाराएँ। मौजूदा सोमासिला बांध को इच्छित पथांतरण के लिए नहर के ऑफ टेक के रूप में उपयोग करने का प्रस्ताव है।

यह लिंक नहर आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और चित्तूर जिलों और तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, वेल्लोर, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम और कुड्डालोर जिलों और पुडुचेरी (संघ राज्य क्षेत्र) में 491200 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई प्रदान करेगी। कृषि योग्य क्षेत्र की पहचान करने और भूमि की सिंचाई क्षमता का पता लगाने के लिए मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग संगठन, कृषि विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा तैयार की गई मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग रिपोर्टों पर विचार किया जाता है। सिंचाई की तीव्रता 100% होने का प्रस्ताव है। राजविअ द्वारा कमान क्षेत्र के लिए उपयुक्त फसल पद्धति तैयार की गई थी। सिंचाई जल की आवश्यकता 3048 मिमी³ होने का अनुमान है।

सिंचाई के अलावा, चेन्नई शहर की भावी घरेलू और औद्योगिक जल आवश्यकताओं, कमान क्षेत्र की घरेलू आवश्यकताओं और लिंक नहर के दाईं ओर 20 किमी की दूरी पर स्थित कस्बों के लिए 100 मीटर से कम की लिफ्ट के लिए जल उपलब्ध कराने का भी प्रस्ताव है। 2050 ई. तक अनुमानित अतिरिक्त घरेलू और औद्योगिक आवश्यकताएं क्रमशः 605 मिमी³ और 500 मिमी³ होने का अनुमान है। लिंक नहर में पारेषण हानि 557 मिमी³ होने का अनुमान है।

लिंक नहर को गोल कोनों के साथ समलम्बाकार आकार के साथ एक पंक्तिबद्ध नहर के रूप में डिज़ाइन किया गया है। नहर की अधिकतम वहन क्षमता 603.33 क्यूमेक है जिसमें तल चौड़ाई के 72.40 मीटर के क्रॉस सेक्शन और शीर्ष पहुंच में 6 मीटर पूर्ण आपूर्ति गहराई है। नहर ज्यादातर सूखी भूमि से होकर गुजरती है।

पेन्नार (सोमासिला)-पलार-कावेरी (ग्रंड एनीकट) लिंक परियोजना में किसी नए भंडारण जलाशयों का निर्माण शामिल नहीं है। साथ ही उस क्षेत्र को देखते हुए जिसके माध्यम से 529.190 किमी लंबी लिंक नहर गुजर रही है, नहर से किसी भी प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभाव की उम्मीद नहीं है। अतः संभाव्यता रिपोर्ट चरण में इस प्रयोजन के लिए विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव अध्ययन नहीं किया गया है।

लिंक नहर संरेखण किसी भी निर्मित क्षेत्र को पार नहीं करता है और इसलिए विस्थापित आबादी का कोई पुनर्वास एवं पुनः स्थापना अपेक्षित नहीं है। कार्यान्वयन पर लिंक परियोजना से किसानों के लिए सिंचाई सुविधाएं सृजित होंगी और क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं होंगी, इसलिए इससे क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंचाई, घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति के कारण लिंक परियोजना से प्रति वर्ष प्रत्यक्ष लाभ 1642 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। लिंक नहर की पूंजीगत लागत 2003-04 के मूल्य स्तर पर 6769 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। परियोजना की अनुमानित वार्षिक लागत 417 करोड़ रुपये है। लाभ लागत अनुपात 3.93 है। ऊपरी लिंकों द्वारा इस लिंक परियोजना के लिए लाये गए जल की अनुमानित लागत को पूंजीगत लागत में नहीं जोड़ा जाता है। यदि प्रतिप्रवाह लिंक नहरों से अधिशेष जल अंतरित करने की लागत पर भी विचार किया जाता है, तो बीसी अनुपात में बदलाव हो सकता है, जिसका विस्तार से अध्ययन ऊपरी लिंक की रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और डीपीआर की तैयारी के समय में किया जाएगा।